First Flight®

First Flight Couriers Ltd.

R.H.O. : 414-415, 2nd Floor, Sahara Trade Centre, Faizabad Road, Lucknow - 226 016.
Tel. : 0522-3944444 Fax : 2352174

CONSIGNOR COPY

Date : 17/08/15 Time :

☐ Dox ☐ Nondox

J991M2751976

Origin : Barrau

Dest : Delhi

Content :

Quantity:

Value Declared:

PAPER WORKS	
Waybill	
Invoice	
Form No.	
Modvat	

DOT

AMOUNT	
Courier Charges	
Fuel Surcharges	
Risk Coverage Charges	
Other Charges	
Service Tax	
Edu. Cess	
Hr. Edu. Cess	
Total	69/-

ACTUAL WEIGHT

Kgs	Gms
100 gm	

CHARGEABLE WEIGHT

Kgs	Gms

DIMENSIONS in Cms.

Length =

x

Breadth =

x

Height =

Consignor : Neeraj Gupta

Contact No. : Barrau

Consignee : Shri Paranab Mukherjee

Pincode : 110004

Contact No. : Delhi

Items banned by Narcotics Dept., Liquid, Gases, Chemicals of Explosive nature, Bearer cheques, personal mail, Cash, Jewellery, Contraband, Drugs, Dangerous Goods or Prohibited Items are strictly not accepted. I/We hereby agree with and accept the Conditions of Carriage set forth on the reverse of this Consignor's Copy of this non-negotiable waybill and warrant that the information contained on this waybill is true and correct.

TERMS & CONDITIONS: This is a non-negotiable consignment note subject to the terms and conditions contained overleaf of the Consignor's copy.

Call Customer Service

Tel. : 0522 - 3944444

E-mail : upcsde@firstflight.net

Website : www.firstflight.net

Employee Sign

Consignor's Sign

Incase the consignment value is more than Rs 10,000 /- , the company recommends to get the same insured. The company's liability on this shipment is limited to Rs 100/- or cost of the reconstruction whichever is lower. Please put right Pincode of the destination for timely delivery. Weight taken in First Flight premises Actual or Volumetric weight whichever is higher will be considered as the final weight.

First Flight Introduces

Emotional Bond

Make your Bonds Stronger

Great New way to Wish Your Dear One with Card, Bouquet, Cake, Sweets or Dry Fruits in 72 Cities in India.

FOR DETAILS CONTACT US.

First Flight®

First Flight Couriers Ltd.

R.H.O. : 414-415, 2nd Floor, Sahara Trade Centre,
Faizabad Road, Lucknow - 226 016.
Tel. : 0522-3944444 Fax : 2352174

CONSIGNOR COPY

Date : 17/08/15 Time :

☐ Dox ☐ Nondox

J991M2751975

Origin : Bangalore

Dest : Delhi

Content :

Quantity :

Value Declared :

PAPER WORKS

Waybill ☐
Invoice ☐
Form No. ☐
Modvat ☐

Df

AMOUNT

Courier Charges	
Fuel Surcharges	
Risk Coverage Charges	
Other Charges	
Service Tax	
Edu. Cess	
Hr. Edu. Cess	
Total	69/-

ACTUAL WEIGHT

Kgs	Gms
1	09

CHARGEABLE WEIGHT

Kgs	Gms

DIMENSIONS in Cms.

Length =
x
Breadth =
x
Height =

Consignor : Neeraj Gupta

Bangalore

Contact No. :

Consignee : Home Ministry
Govt. of India
110001
Delhi

Pincode :

Contact No. :

Items banned by Narcotics Dept., Liquid, Gases, Chemicals of Explosive nature, Bearer cheques, personal mail, Cash, Jewellery, Contraband, Drugs, Dangerous Goods or Prohibited Items are strictly not accepted. I/We hereby agree with and accept the Conditions of Carriage set forth on the reverse of this Consignor's Copy of this non-negotiable waybill and warrant that the information contained on this waybill is true and correct.

TERMS & CONDITIONS: This is a non-negotiable consignment note subject to the terms and conditions contained overleaf of the Consignor's copy.

Employee Sign .....

Consignor's Sign .....

Call Customer Service
Tel. : 0522 - 3944444
E-mail : upcsde@firstflight.net

Website : www.firstflight.net

Incase the consignment value is more than Rs 10,000 /- , the company recommends to get the same insured. The company's liability on this shipment is limited to Rs 100/- or cost of the reconstruction whichever is lower. Please put right Pincode of the destination for timely delivery. Weight taken in First Flight premises Actual or Volumetric weight whichever is higher will be considered as the final weight.

First Flight Introduces

Emotional Bond

Make your Bonds Stronger

Great New way to Wish Your Dear One with Card, Bouquet, Cake, Sweets or Dry Fruits in 72 Cities in India.

FOR DETAILS CONTACT US.

सेवामें

श्री महामहिम राष्ट्रपति महोदय, भारत

बिषय-विप्रो कम्पनीं के द्वाराएक विकलांग व्यक्ति के साथ देश के तमाम बेकसुर बेरोजगार नैजवानों के भविष्य के साथ खेला जा रहा एक गंदा और भद्दा मजाक किया जा रहा हैं । जिससे विप्रो कम्पनीं के द्वारा भारत के तमाम बेकसुर बेरोजगार नैजवानों की भविष्य को खराब किया जा रहा हैं ।

बिनम्र निवेदन :- महोदय सबिनय बिनम्र निवेदन हैं, कि जहा एक ओर हमारें भारत मे बेरोजगारी व्याप्त हैं वहीं दुसरी ओर विप्रो कम्पनीं के द्वारा भारत के समस्त बेकसूर बेरोजगारों को पहले सुरक्षा निधि के रूप मे कुछ पैंसे लेकर आफर लेटर दीया जाता हैं और उसे भ्रमीत किया जाता हैं। जिससे बेरोजगारों द्वारा उक्त फर्जी कंम्पनी को सिक्योरीटी मनीं के रूप मे कुछ और पैंसे दिलवा सके । और जिस नैंजवानों ने ऐसा नही किया तो उसे यह कह कर भगा दिया जाता हैं, कि सारी प्रक्रिया गलत हैं और फेकर के द्वारा दिया गया बताया जाता हैं । जिसमे मैं भी एक हूं । पर जब मेरे द्वारा कंम्पनी से सारी प्रक्रिया गलत होने का प्रमाण मांगा, तो कंम्पनी ने दिनांक 18/06/2014 को दिल्ली मे मुझ पर हमला करवाना चाहा, पर समय रहते मैने खतरा भॉप कर दिल्ली से भाग कर अपने घर आ गया । और इस तरह मेरी जान बच सकी, और हमेंशा डर लगा रहता हैं कि मेरे साथ कंम्पनी कोई अनहोनी न हो जाय इसलिए नौकरी के लिए घर से बाहर नहीं जा पा रहा हूँ और न्याय के लिये दर-दर भटकता रहता हूं। पर कहीं न्याय नहीं मिल रही हैं । वहीं कंम्पनी के कम्पलेन बोर्ड से एक फेसबुक की साईड (https://www.facebook.com/pages/Report-Indian-Frauds-and-prevention/548188838583090?fref=ts) प्राप्त हुआ था, जिसमे बताया गया था की :-

- आलोक कुमार संधिल्या, धनबाद/कोलकत (200-700 बेकसूर नौजवानों कि भविष्य खराब की हैं)
- मृदुल घोष, कोलकता/दिल्ली/पुने/मुम्बई (6000 बेकसूर नौजवानों कि भविष्य खराब की हैं)
- मनोज कुमार, धनबाद/कोलकता (नहीं पकडे गये हैं)
- आशीष चन्द्र, धनबाद/कोलकता (नहीं पकडे गये हैं)

और बताया गया की इस तरह का वाकया सन् 2006 से निरंतर किया जा रहा हैं । जहॅा मेरे द्वारा कंम्पनी से ऐ जानकारी मांगी की इस समुह मे कितने लोग हैं ? और कौन से लोग कितने नौजवानों कि भविष्य खराब की हैं ? जिससे कंम्पनी प्रबंधन को खामों"ी छा गई है। और इस मामले को दबाने का प्रयास कर रहे है।जिससे प्रार्थी डर-डर जिने को मजबुर हूँ। मनोज ब"िस्ट एन्काउंतर मामले में दिल्ली पुलिस के दोगरे रवैये से अवगत कराने की कोशिश की हैं।

श्री मान जी से निवेदन है। की प्राथी के साथ हुये धोखाधडी की उच्च स्तरीय जांच करवायी जाय जिससे दूध का दूध और पानीं का पानीं हो सके।और दर-दर की ठोकरें खा रहे मुझ बेकसूर विकलांग को हमारा अधिकार मिल सके। या इच्छामृत्यु करने की इजाजत दिया जाऐ।

महोदय

सबिनयबिनम्र निवेदन हैं, कि मध्य प्रदेश राज्य के सिंगरौली जिला के बरगवां का एक विकलांग व्यक्ति निरज गुप्ता पिता श्री मुन्नीलाल गुप्ता जो कि पैर से जन्मजात विकलांग है उक्त व्यक्ति किसी प्रकार से अपनीं रोजी रोटी की व्यवस्था कर अपना जीवन यापन कर रहा था।उक्त व्यक्ति घर की माली हालत की स्थिती में स्नातक तथा आई०ए०सी०एम० संस्थान बैढन से कम्प्यूटर हार्डवियर नेंटवर्कींग का कोर्स किया एवं नेंटवर्कींग करनें के बाद दिल्ली के ए०एन०जी०कम्पनीं में सिक्योरिटी सिस्टम लगानें का काम मिल गया बतौर निरज गुप्ता उक्त कार्य को बडे ही ईमानदारी व मेंहनत से करता रहा।और मात्र निरज गुप्ता ही नहीं हर नौकरी तलास करनें वाले की इच्छा होती है की वह एक मल्टीनेंशनल कम्पनीं में एक कर्मचारी बननें की चाह होती

N.K.Gupta
17/09/15

है ।तभी एक दौर ऐसा आया की दिनांक 15 फरवरी 2013 को सुरेश महतो(09716218796) जो की झारखंड के धनबाद जिले का रहनें वाला था नें बिप्रो कम्पनीं में स्थाई नौकरी के लिये बताया और कहा की तुम्हे 20,000रू बतौर सिक्योरीटी मनीं देनें की बात कहीऔर। और कहा की मेरा पैसा रिफंडेबल चेक के द्वारा वापस मिल जायेगा,जब निरज गुप्ता नें इसकी बातों पर विश्वास नहीं किया तो उसनें अपना आफर लेटर एवं ईमेल (srinivasan@recruitment-wipro.com) दिखाई, ईमेल देखने से गलत नही लग रहा है,दिखाया और कहा की करना हो तो एडवांस दे दो तब जब मैने हा कहा तो सुरेश महतो ने अपने मोबाईल से एक एस०एम०एस० कर मुझे दिनांक 19/02/2013 09:37 को आई०सी०आई०सी आई० बैक अकाउंट नं० 082401500489 दिया जोकि मृदुल घोष के नाम से था पर मैनें एक्सीस बैंक एकाउंट मांगा तब दिनांक 19/02/2013 13:16 को मुझे एक्सीस बैंक का एकाउन्ट नं० मिला जो 911010036113712 जो सान्डील्य आलोक कुमार सीटी सेनट्रल ब्रान्च धनबाद में पैसे भेजनें को कहा तब मैनें एक्सीस बैंक के एकाउन्ट में अपनें एटीएम कार्ड से फन्ड ट्रान्सफर किया जिससे दिनांक 21/02/2013 को मेरा फोन से साक्षात्कार हुआ और उसके बाद दिनांक 24/02/2013 को ऑफर लेटर आ गया, ऑफर लेटर अंदर सिक्योरिटी मे था, उसमे न तो कुछ चेंज कर सकते है न ही प्रिंट कर सकते हैं। जिससे यह सब देख मैं ए०एन०जी० कम्पनी प्रबंधन को इस्तीफा दे दिया ।और इस्तीफे के १५ दिवस के बाद सुरेश महतो के माध्यम से मुझे बताया गया की विप्रो कम्पनी मे मेंरी ज्वायनींग को अभी दो से तीन महीनें का वक्त लगेगा इस बीच मै अपनें घर आकर विप्रो कम्पनी के द्वारा बुलावे का इंतजार करनें लगा ।तीन महीनें का समय गुजर जानें के बाद मेंरी बात सुरेश महतो के द्वारा मुझे एक नम्बर मिला नं०-08961596670 जो आलोक सान्डील्य के नाम से था से बात हुयी बात करनें पर मेंरी ज्वायनींग की प्रोसेस चालू हुयी और कम्पनीं के द्वारा दिनांक 18/06/2013 को एक मेल जिसमे मुझसे मेंरा मेंडीकल चेक करवानें की बात हुयी तब मैने अपनी मेंडीकल की जानकारी दिनांक 21/06/2013 को दिया उसके बाद दिनांक26/08/2013 को एक मेल जिसमे सिनर्जी एकाउन्ट आया जिसमें मुझे आई०डी० *Log in 8740065472Password - wipro@123456* प्राप्त हुआ और मेंल के द्वारा बताया गया की यह एकाउन्ट २८ कार्यदिवस पुरे होनें पर साईड(https://synergy.wipro.com/NASApp/com/SynergyLogin.jsp)पर चालू होगी पर निर्धारित समय पर यह चालू नहीं हुआ और इसके बाद मुझे दिनांक आफर मिला की अगर मैं एक या दो लडकों को और देता हूँ तो मुझे और बडे पोस्ट पर काम दिया जायेगा और मुझे एक मेल दिनांक १०/१०/२०१३को जिसमे ऐ बताया गया की मेरी पोस्ठ अपग्रेट कर दिया गया है जिसका(Request No - H876400-H37) है और मेरे द्वारा लडकों को न देने की बात पर कम्पनी के द्वारा इसी मेल के माध्यम से ऐ बताआ गया कि अगर मै अपनी कमीटमेन्ट को 48 धन्टे के अन्दर पुरा नही की तो मेरी ज्वाईन की प्रोसेस को रद्द कर दिया जाऐगा और तब मैने दिनांक 11/10/2013को एक मेल के माध्यम से कम्पनी से जानने का प्रयास किया कम्पनी को जो कुछ मुझसे चाहीऐ वो ईमेल के माध्यम से बताऐ औरकम्पनी को सक्त चेताया की अगर मेरी और मेरे दोस्तो की ज्वाईन नही हुई तो मै इसके लिऐ कोंट मे जाउंगा और मेरे पास पर्याप्त सबुत भी हैं ।अबतब मुझे ऐ अहसास हो चुका था कि यहा से मुझे कोई नोकरी नही मिलेगी और मेंरा भविष्य चौपट हो चुका है अब मैंने अपने जहन मे ऐ पक्का इरादा कर लिया की इन सबको पकडवा कर कानून के हवाले करूँगा उसके लिये मुझे चाहे जो करना पडा वो करूँगा इसके लिये मैने सबसे पहले दोनो एकाउंट नम्बर की डिटेल निकालने के लिये दोनो बैंक के कर्मचारीओ से गुप्त रूप से सर्म्पक किया और उनकी जानकारी हासीलकी।

1- आलोक कुमार सांडिल्या खाता कं. 911010036113712 एक्सीस बैंक ब्रांन्च सिटी सेन्टर धनवाद बिहार मोबाईल कं. 09088013796, 8961596670 और ईमेल आई०डी० shandilyaalokekumar@gmail.com

2- मृदुल घोष और मौसमी कौल ज्वाईन्ट आई०सी०आई०सी०आई० बैंक खाता कं. 082401500489, पतारमाकान्त मिस्र्ती, मैंन ग्रउन्ड फ्लोड मुर्चीपरा ईस्कोयर कोलकत्तामोबाईल कं. 08443926007, ईमेल आई०डी० rocks.jesuschrist@gmail.com

N. K. Gupta
17/08/15

कर दिनांक 19/11/2013को कम्पनी प्रबन्धन को एक ईमेल के माध्यम से चेताया की अगर मै यह जानकारी हासील कर सकता हु तो तुम्हारे साथ क्या नही कर सकता इस लिऐ मै कम्पनी से अनुरोध करता हु कि मेरी और मेरे दोस्तो की ज्वाइंनिंग कर हम सबकी लाईफ को खराब होने से बचालिया जाय अन्यथा मै एक सप्ताह मे अगर ज्वाईन नही हुई तो मै भारत सरकार की मदत लेकर कम्पनी प्रबन्धन के खिलाफ लामबंद हो जाउॅगा जिससे पहले मुझे दिनांक 22/11/2013 समझाने का प्रयास की पर जब मै नही माना तब कम्पनी प्रबन्धन के द्वारा दिनांक 25/11/2013 को एक मेल के माध्यम से बताया गयाकी मेरे प्रोसेस(Notice Reference No 40954-H213) को फिर से चालू किया और जिसमे मुझसे पुन: मेरे प्रमाण पत्र मागा गया जो मेरे द्वारा दिनांक 26/11/2013 दिया और कम्पनी को एक महीनें का समय देकर यह बोला गया की अगर उक्त समय मे मेरी और मेरे दोस्तो की ज्वाईनींग न हुई तो भारत सरकार की मदद की बात कही गयी थी। तब दिनांक 11/12/2013 को एक मेल के माध्यम से कम्पनी प्रबन्धन द्वारा मुझे चेताया गया की मै 24-48 धंटे के अन्दर मै कन्फर्म करू की जो प्रमाण प्त्र दिया है वह सही है जो मेरे द्वारा दिनांक 12/12/2013 को कन्फर्मेसन दिया गया की मेरे द्वारा जो प्रमाण प्त्रदिया गया है वो सही है और वही दुसरी ओर मै दिनांक 24/11/2013 को कम्पनीं की मेंल आई डी (helpdesk.recruitment@wipro.com) पर आफर लेटर वाली ईमेल को भेजा और जानकारी मांगी की मेंरी स्थिती क्या है तो कम्पनीं से दिनांक 13/01/2014 को वापस जबाब मिला की यह सब गलत है। और यह सारी मेंल एक फेक मेंल है। जिससे कम्पनीं का कोई सम्बन्ध नहीं है। तब मैंनें कम्पनीं से इसके फेक होनें का बार-बार प्रमाण मांगने पर कम्पनीं के द्वारा जानकारी नहीं दी गई और कहा गया की मै नजदीकी पुलिस स्टेसन मे एफ०आई०आर० करने को कहा गया तब मैनें दिनांक दिनांक 18/02/2014 पूरी मेंल की कांपी कर कम्पलेन बोर्ड में डाल दिया जिससे दिनांक 19/02/2014 को कम्पनी प्रबन्धन से एक साईड दिया गया और बताया की गलत ईमेल यहां से बनता है पर जब मैरे द्वारा इस साईड का गहन अध्यन करने पर जानकारी मिली की गलत ईमेल बनाने के लिये एक फार्म भरना पडता है और कुछ पैसे आनलाईन देने होते है जो की ए०टी०एम० से ही सम्भव है जिससे जो भी गलत ईमेल बनाता है तो उसकी पुरी जानकारी इस साईड मे जुडी होगी जिससे कम्पनी प्रबन्धन आसानी से प्राप्त कर, गलत ईमेल बनाने वाले के खिलाफ लीगल एक्शन लेकर कानूनी कार्यवाही कर सकता हैं, पर उसने ऐसा नही किया जिससे साबित होता है कि ये पुरी प्रक्रीया कम्पनी प्रबन्धन ही करवा रहा है और इसके विपरीत किसी भी शिक्षण संस्थान या कोई भी कम्पनी अपने कर्मचारी को ऐसी साइड के बारे मे नही बताती है जिससे अगर कोइ बेकसुर छात्र अगर इस तरह से धोखा खाता है तो इसके लिये पुरी जिम्मेवारी कम्पनी प्रबन्घन की होनी चाहिये! वही दुसरी ओर मुझे एक मेल दिनांक 19/02/2014 को एक ईमेल (acharya.sourav@yahoo.in) से प्राप्त हुआ और कहा गया कि मै अपना कलर प्रमाण पत्र की छाया कापी मागी गयी मेरे व्दारा दिनांक 20/02/2014 को दिया गया । वही दुसरी ओरसी०बी० साईड से दिनांक 20/02/2014 मुझे एक एस०एम०एस० और एक फेसबुक लिंक आया जिसमे मुझसे आग्रह किया गया कि मै अपना मोबाइल नं. दु जिससे मै कम्पनी से जुडकर जो भी मेरे पास जानकारी है कम्पनी को दु जिससे कम्पनी उनलोगो को पकड सके! मैने अपना मोबाइल नं. और ईमेल आई०डी० सेंड कर दिया जिससे दिनांक 20/02/2014 उस साइड के माध्यम से एक सौरव आर्चाया नाम का एक व्यक्ति की कांल ;मोबाईल नं. 09051923234 आया और ऐ बताया गया कि आलोक नाम का एक व्यक्ति पकडा गया है चुॅकी सौरव आर्चाया सी०बी० के माध्यम से मुझसे जुडा था इस लिऐ मैने उसे पुरी जानकारी दे दी और मैने सौरव आर्चाया के बारे मे सी०बी० के माध्यम से जानकारी लि तो दिनांक 21/02/2014 को बताया गया की हॉ यह सही है! कम्पलेन बोर्ड से

M. K. Gupta
17/08/15

जो फेसबुक की साईड आई थी उसमे ये दिखाया गया कि मृदुल नाम का व्यक्ति भी पकडा गया है । और ये बताया गया की :-

- आलोक कुमार संधिल्या, धनबाद/कोलकता (200-700 बेकसूर नौजवानों कि भविष्य खराब की हैं)
- मृदुल घोष, कोलकता/दिल्ली/पुने/मुम्बई (6000 बेकसूर नौजवानों कि भविष्य खराब की हैं)
- मनोज कुमार, धनबाद/कोलकता (नहीं पकडे गये हैं)
- आशीष चन्द्र, धनबाद/कोलकता (नहीं पकडे गये हैं)

और सौरव आर्चाया के माध्यम से कहा गया की ऐ पुरी प्रक्रिया कलकत्ता कोंट मे चल रहा है । और मै नियरेस्ट पुलिस स्टेसन मे एफ०आई०आर० करने को कहा गया जिससे इस प्रक्रिया मे मजबुती आऐ, पर मेरे गांव के पुलिस विभाग का कहना था कि इस केस मे सी०आई०डि० काम कर रही है, तो वो कुछ नही कर सकते । वही सौरव के द्वारा दिनांक 27/02/2014 को ऐ कहा गया की इस काम करने मे राजनितीक अडचन आरही है क्युकि मृदुल ने बहुत सी पार्टी से जुडा है जिसकी रिकार्डींग मैने युतूब मे डाल रखी है इसी दर्मीयान दिनांक २७/०२/२०१४को ईमेल आई० resourcing.infotech@wipro.com से मेरे दोस्त पवन नारवल के ईमेल (Pk.narwal.14@gmail.com) मे कम्पनी व्दारा एक ईमेल जिसमे पुन: सिनर्जी एकाउन्ट जिसका ;लदमतहल न्मेत छंउम रू५९९०८०द्ध आ गया जो साईड (https://synergy.wipro.com/CandidateWILogin.html) मे खुलने की बात कही गयी उसके बाद पुन: एक मेल जिसमे (Password-19MAANPA) इसी मेल आई०डी० से ३ घंटे के अन्दर आ गई इस बार एकाउंट खुल गई और इसके कुछ दिन बाद दिनांक 11/03/2014 को ईमेल आई०डी० (mahima.hegde@wipro.comद्ध से काल लेटर (Contact Person: Dhruv) भी आ गई पर जब मै इस काल लेट्र के बारे मे कम्पनी की आई०डी० (helpdesk.recruitment@wipro.com) से दिनांक 13/03/2014 को जानकारी लेने की कोशीश की तो कम्पनी के व्दारा दिनांक 19/03/2014 को ऐ बताया गया की अगर मै किसी रिकुयेटर से जुडा हुँ तो वो मुझे इन्टरव्यु के लिये बुला रहा है पर जब मैने दिनांक 28/03/2014 को ईमेल आई० तमेवनतबपदहण्पदविजमबी/पचतवण्बवउ से आऐ हुऐ सिनर्जी एकाउन्ट के बारे मे जानकारी मागी तो कम्पनी के व्दारा दिनांक 03/04/2014 को जबाब न देते हुऐ पुलिस मे एफ०आई०आर० की बात दुहराई गई । अब तक जो भी इस प्रोसेस को करवा रहा था वो पकडा जा चुका था। सी०बी० की साईड पर सक तब हुआ जब सी०बी० की जिस साइड से सोरव मुझसे जुडा था उस साइड से मेरे और उस साइड के वार्तालाप के कुछ एस०एम०एस० डिलीट किया जारहा है तब मैने पुरी मेल और सबुत की बीडीओ बनाने के लिऐं दिल्ली गया और वहा से सारी सबुत का बिडीओ **(WIPRO START TO CHEAT INNOCENCE PEOPLE PORT 1OF 5)** बनाकर मै दिनांक 16/04/2014 को यूतुब की साईड मे डालकर उसकी लींक को दिनांक 16/04/2014 को कम्पनी को सेन्ड किया।

Inside Story of Wipro Company
https://www.youtube.com/watch?v=NZLGQdDoukU

Who is give me offer Latter by E-mail
https://www.youtube.com/watch?v=v1sVRjwULWk&feature=youtu.be

Conversation between Neeraj Gupta and Wipro Company by E-mail
https://www.youtube.com/watch?v=HwT6nUt1cow&feature=youtu.be

About Complain Board of Wipro Company Side
https://www.youtube.com/watch?v=zxsBuUz0ImE&feature=youtu.bePart-1
https://www.youtube.com/watch?v=ZDzRBZDUYRg&feature=youtu.bePart-2
https://www.youtube.com/watch?v=bwZXaVLZADw&feature=youtu.bePart-3

Convesation between Neeraj Gupta and aloke shandilya (Voice Record)
https://www.youtube.com/watch?v=u6Ik_xGSboo Part-1

N. K. Gupta
17/08/15

(4)

Saurev Acharya was connected me on Complain Boad of Wipro Company(Voice Record)
https://www.youtube.com/watch?v=DDteNJGbsoAPart-1
https://www.youtube.com/watch?v=JkJu9pS0yloPart-2
https://www.youtube.com/watch?v=8l-cnKacnQgPart-3
https://www.youtube.com/watch?v=_Hu7aMMp4MIPart-4
https://www.youtube.com/watch?v=rcQbftpOKx0Part-5
https://www.youtube.com/watch?v=AISGNhMFqR8Part-6
https://www.youtube.com/watch?v=B5zquEGRLyE Part-9
https://www.youtube.com/watch?v=h-2xu6DALboPart-12
https://www.youtube.com/watch?v=OdyTt2P7RaQPart-15
https://www.youtube.com/watch?v=NZaS4K7y91o&feature=youtu.bePart-20
https://www.youtube.com/watch?v=vSadQG6WKT4 Part-21
Conversation between Me and CSP Singrauli
https://www.youtube.com/watch?v=X0Yyd7TJZ50&feature=youtu.be
Conversation between me and cyber crime cell
https://www.youtube.com/watch?v=PwRRKz7N7Mk&feature=youtu.be
https://www.youtube.com/watch?v=2VcN5aoSzbk&feature=youtu.be
Conversation between me and Ajay Singh, who is accepting to responsible back to give me my loss carrier
https://www.youtube.com/watch?v=9FzEhExbPo8
https://www.youtube.com/watch?v=CGfNIf_RbFU
https://www.youtube.com/watch?v=kHUvFkVR0VA
https://www.youtube.com/watch?v=d8C3i6-SYww

पर कम्पनी प्रबन्धन को इससे कोई फर्क न पडता और कम्पनी के माध्यम से बार-बार आग्रह किया जाता रहा की मै अपने नजदिकीय पुलिस स्टेशन मे जाकर एफ०आई०आर० कर दु। ऐ सब देख मै दुसरी कम्पनी मे नोकरी तलासने लगा तब एक दौर वो भी आ गया की दिनांक 18/06/2014 को मुझे एक प्राइवेट कम्पनी मै सेलेक्ट भी हो गया और अगले दिन मुझे ज्वाइनींग करना था पर अचानक मुझे ऐसा अनदेसा हुया की कुछ लोग मेरा पिछा कर रहे है जिससे मै किसी अनहोनी होने के डर से उक्त दिनांक कोही माननीय प्रधान मंत्री महोदय को उक्त बिवरण से अवगत कराने की मंशा से लेटर की कापी अपने एक अन्य दोस्त को दे कर और ये कह कर की इसे रजीस्टर्ड डाक करने कह मै दिल्ली से भाग खडा हुआ जो मेरे दोस्त के द्वारा उक्त लेटरदिनांक 19/06/2014 को माननीय प्रधान मंत्री महोदय को उक्त पत्र साउथ एक्स नई दिल्ली से रजीस्टर्ड डाक द्वारा और मै स्वयं दिनांक 02/07/2014 को माननीय सायबर काइम सेल को कोरियर द्वारा बरगवां से प्रेषीत किया है। जिससे साईबर काईम सेल के माध्यम से एक िशकायत क्र०-C-2621/DCP/EOW जो ईमेल आई०डी० से (cybercell.eow12@gmail.com) प्राप्त हुआ । इसी बिच मै साइड सी०बी० की गहन अध्यन करने लगा जिससे मुझे पता चला की यह सी०बी० की साइट बिप्रो कम्पनी के नाम से गुगल मे (Complain Boad of Wipro Company) र्सच करने पर सी०बी० की यही साइड खुलती है जिसमे बिप्रो कम्पनी की नाम कही भी नजर नही दिखता जिससे ये साफ होता है कि कम्पनी प्रबन्धन की मंशा क्या है? और इधर काफी समय बीत जाने के बावजुद जब कुछ नही होता देख मै दिनांक 02/11/2014 को प्रधान मन्त्री को पुन: एक लेटर से इस ओर ध्यान देने वावत् विनम्र आग्रह कियापर फिर भी माननीय प्रधान मंत्री महोदय और साईबर क्राईम सेल के माध्यम से कुछ न होता देख मै 29/11/2014 को पुन:न्याय की गुहार लगाई।

N.K. Gupta
17/08/15

भारत सरकार के माध्यम से भी कुछ न होता देख मैं जिन भी महानुभावो की ईमेल आईडी० गुगल के माध्यम से पाता गया उन सब महानुभावो को अपनी व्यथा सुनाता गया इस क्रम मे भारत के पुरे सी०बी०आई० डाईरेक्टर, भारत के पुरे डी०जी०पी० जैसें तमाम महानुभावो को अपनी व्यथा सुनाया पर किसी ने भी न सुनी और न ही कोई जबाव आया ।

मनोज बशिस्ट एन्काउंतर मामले में दिल्ली पुलिस के दोगरे चेहरा सामने आया

विप्रो कंम्पनी के द्वारा अपने भविष्य को खोने की शिकायत मेरे द्वारा दिनांक 02/07/2014 को एक पत्र के माध्यम से दिल्ली साइबर क्राइम सेल, मंदिर मार्ग को की गई, जिससे दिनांक 09/07/2014 को साइबर क्राइम सेल के द्वारा ईमेल कर शिकायत क्र० C-2621/DCP/EOW जो बजाया गया कि यह मामला पुलिस अधीझक सिंगरौली, मध्य प्रदेश को भेजा गया बताया गया । और कुछ दिन बाद दिनांक 19/01/2015 को एक और शिकायत dz0 PC-2621/14&DY-651/DCP/EOW जो गॉधी नगर गुजरात के पुलिस अधीझक को भेजा गया बताया गया, पर कार्यवाहि क्या हुआ नहि बताया गया । जब एक शिकायत की २ शिकायत नंम्बर प्राप्त होने और इनसाफ न मिलने की सुचना दिल्ली के पुलिस कमिश्नर भीम सैन बस्सी जी को ईमेल के माध्यम से दीया जिससे उनके द्वारा जॉच की बात कही गयी, पर उनकें भी द्वारा न होता देख मेरे द्वारा हाई कोर्ट मे एक याचिका दायर कर दिनांक 15/05/2015 को ईमेल के माध्यम से साइबर क्राइम सेल, दिल्ली पुलिस कमिश्नर भीम सैन बस्सी जी और समस्त पुलिस के शिनियर अधिकारी को जानकारी दिया । और विप्रो कंम्पनी के द्वारा मुझे जो रिपोर्ट दिया गया था, उसमे मनोज कुमार का नाम भी बताया गया था । और कुछ न्यूज चैनल के माध्यम से जानकारी के अनुसार दिल्ली साइबर क्राइम सेल के द्वारा मनोज बशिष्ट नाम के एक व्यक्ती को मार गिराया बताया गया । जिसकी जानकारी मेरे द्वारा दिल्ली के समस्त पुलिस अधिकारी से मांगने पर कि क्या ये वहि मनोज कुमार है या नहि ? पर कोई जबाब नहि मिला इसके बिपरीत मनोज बशिष्ट के बारे मे पुलिस के आला अधिकारीओं की ओर से दिये गये बयान मे बताया गया कि मनोज बशिष्ट फर्जीवाडा किया कर्ता था पर उनके पास कोई एफ०आई०आर० या शिकायत किसी ने नहि किया था । जबकि मेरे द्वारा फर्जीवाडा की शिकायत देश के पुलिस के समस्त आला अधिकारी को किया गया हैं । फिर मेरे द्वारा दिये गये शिकायत को छुपाया क्यूँ गया ? कुछ ऐसे तथ जिससे साफ होता हैं कि कहि न कहि मेरा मामला मनोज बशिष्ट के मामले से मेल होता हैं –

- मनोज बशिष्ट को 29 फरवरी को पकडने के बाद भी छोड दिया गया था, फिर 15/05/2015 को जब मेरे द्वारा दिल्ली पुलिस को जानकारी देने पर कि इस मामले के लिऐ हाई कोर्ट मे जाने की बात करने पर 16/05/2015 को हि क्यूँ मारा गया ?
- मनोज बशिष्ट देश के तमाम बेकसूर नौजवानों के साथ धोखाधरी किया करतर था और जो मेरे साथ फर्जीवाडा किया उसमे भी मनोज कुमार का होना
- विप्रो कंम्पनी के द्वारा बताया गया मनोज कुमार धनवाद से हैं और मनोज बशिष्ट भी धनवाद के करीब का होना

N.K. Gupta
17/08/15

- मनोज बशिष्ट को दिल्ली के साइबर क्राइम सेल के द्वारा मारा गया और मेरे द्वारा किया गया शिकायत भी दिल्ली के साइबर क्राइम सेल को किया गया हैं

इन सब तथो से स्पष्ट होता हैं कि मेरा और मनोज बशिष्ट का मामला एक हि हैं जिसकी जानकारी मेरे द्वारा दिल्ली पुलिस कमिश्नर बस्सी जी से मांगने पर वो भी मौन हो गये । और दिल्ली पुलिस के आला अधिकारी छुपाना चाहते हैं क्यूँकि इस मामले मे हाई प्रोफाइल से जुडा हैं

विशेष अनुरोध :-

यह कि माननीय मुख्य मन्त्री जी से विनम्र निवेदन करता हूँ कि इस भ्रस्टाचार के खिलाफ जांच कर जो भी दोषी हो उसे कडी से कडी सजा दिलाई जानी चाहिऐ जिससे कोई भी हमारे भारत के किसी छात्र/छात्रा के भविष्य के साथ न खेल सके।

संलग्न :-

१. उच्च न्यायालय की फैसला पत्र की छायाप्रति
२. प्रधानमंत्री महोदय भारत सरकार को दिये गये पत्र की छायाप्रति
३. पुलिस अधिक्षक महोदय को दिये गये शिकायत पत्र की छायाप्रति
४. पुलिस अधिक्षक महोदय को दिये गये अपने बयान पत्र की छायाप्रति
५. समस्त शिकायत पत्र की छायाप्रति
६. समस्त कुरियर स्लिप की छायाप्रति
७. पुर्व में जिस कम्पनी में कार्य कर रहा था उसके अनुभव की छायाप्रति
८. विकलांगता प्रमाण पत्र की छायाप्रति

प्रतिलिपि:-
श्री मान् गृह मन्त्रालय, भारत सरकार
नई दिल्ली

N.K. Gupta
17/08/15

प्रार्थी
निरज कुमार गुप्ता
Email-id Neeraj.gupta615@gmail.com
Co. No. +91-7771822877